दुनिया के समक्ष जलवायु परिवर्तन चुनौती

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के छात्रों को उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने किया संबोधित

जागरण संवाददाता, पटना : 'बच्चों, दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन की है। तुम लोग मैनेजमेंट के छात्र हो। 'आउट आफ बॉक्स' जाकर सोचो तथा जीवनशैली व आदतों को बदलने की दिशा में थोड़ा सा कार्य करो। पृथ्वी को बचाने के लिए तुम समाज की दिशा बदलने वाले मार्गदर्शक बनो। नौकरी के दौरान इसे जरूर याद रखना। यही अपील करने के लिए आया हूं।' उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 15 दिवसीय वन महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। बुधवार को वे पर्यावरण शिक्षक की भूमिका में थे।

सीआइएमपी में आयोजित समारोह में पौधारोपण करते उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एक व्यक्ति प्रतिवर्ष औसतन 740 किलोग्राम ऑक्सीजन लेता है। जबकि, एक पेड़ प्रति वर्ष 100 किलो ऑक्सीजन उत्सर्जित करता है। आठ पेड़ों से छोड़ी गई ऑक्सीजन के बराबर एक व्यक्ति लेता है। एक पेड़ एक करोड़ से अधिक मूल्य का होता है। मत्स्य पुराण के अनुसार एक पेड़ 10 संतानों के बराबर है। विकास के दौर में पेड़ों की कटाई के कारण पर्यावरण असंतुलित हो गया है। हमारे पूर्वज प्रकृति के साथ जीना जानते थे। पहाड़, वृक्ष, नदी की पूजा करके उनका संरक्षण करते थे। राज्य की सभी सड़कों, नहर, तटबंध, खाली स्थानों पर पेड़ लगाए जाएंगे। सभी जगह हरियाली दिखेगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुनिया के लिए चुनौती बन चुके जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से मुकाबला करने के लिए एक अगस्त को वनमोहत्सव का शुभारंभ किया। अब इसने आंदोलन का रूप ले लिया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'जल, जीवन, हरियाली' कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। गांवों और शहरों में सभी जगहों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण हुआ है। आम लोगों के बीच 'ग्रीन वैल्यू' स्थापित करना है। अपनी आदतों में सुधार कर पानी व बिजली की खपत कम करने की जरूरत है। सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने जा रही है। 250 मेगावाट के सौर ऊर्जा प्लांट के लिए निविदा निकाली जा चुकी है। इसके लिए छात्र 'थिंक ग्लोब्ली, एक्ट लोकली' की तर्ज पर काम करके छोटी-छोटी शुरुआत और पहल से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। देश में कई जगह जलसंकट उत्पन्न हो गया है। कार्यक्रम में सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एसएस चौधरी, क्षेत्रीय वन संरक्षक बीके गुप्ता, पारिस्थितिकी निदेशक संतोष तिवारी, वन संरक्षक गोपाल सिंह, डीएफओ कुमार एस. सामी आदि मौजूद थे।

बिहार में लगेगा 250 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट

जासं, पटना : बिहार में 250 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट लगेगा। दो कंपनियों ने निविदा में भाग लिया है। शर्त यह है कि कम से कम एक स्थान पर दस मेगावाट का सोलर पावर प्लांट लगाएं। बिहार विद्युत विनियामक आयोग कंपनियों द्वारा उत्पादित बिजली का शुल्क तय करेगा। उत्पादित बिजली को विद्युत कंपनी सीधे खरीद करेगी। सीआइएमपी के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सोलर पावर प्लांट में राज्य सरकार निवेश नहीं करेगी। पूरी तरह से निजी पार्टी आगे आई है। 250 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट एक से अधिक स्थानों पर लगेगा। यह जमीन पर लगेगा। निवेशक जमीन की तलाश करेंगे। सरकार मात्र उस बिजली की खरीद करेगी। 25 वर्ष के लिए एकरारनामा होने जा रहा है। पहली बार 250 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट लगाने का टेंडर किया जा चुका है। कोयले से उत्पादित बिजली से प्रदूषण काफी बढ़ रहा है। सोलर पावर प्लांट से उत्पादित बिजली प्रदूषण फ्री होती है। सरकार सोलर प्लेट से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देगी।

Dainik Jagran ! Page.No-4 ! Dated-15-8-2019

सरकारी भवनों पर लगाए जाएंगे सोलर पावर प्लांट

वन महोत्सव के समापन समारोह में बोले मोदी- विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं, बल्कि पर्यावरण से तालमेल बैठाकर होगा

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना में आयोजित 15 दिवसीय 'वन महोत्सव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने पेड़ लगा कर पृथ्वी को बचाने का आह्वान किया तथा कहा कि 250 मेगावाट का सोलर पॉवर प्लांट लगाने का टेंडर किया जा चुका है। सरकारी भवनों पर भी बड़े पैमाने पर सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे। जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ ही वर्षा जल के संचयन का अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पुराण के अनुसार एक पेड़ 10 संतानों के बराबर है। हमारे पूर्वज प्रकृति के साथ जीना जानते थे। एक पेड़ साल में 100 किलो ऑक्सीजन छोड़ता है जबकि एक मनुष्य को 740 किलो ऑक्सीजन की जरूरत होती है। 7-8 पेड़ों से एक व्यक्ति की ऑक्सीजन की जरूरत पूरी होती है। एक पेड़ अपने जीवन में मनुष्य को एक करोड़ से ज्यादा का लाभ देता है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश है जहां पेड़-पौधे, नदी, पहाड़, जीव-जंतु आदि की पूजा करने की परम्परा है। तुलसी विवाह व वट-सावित्री की पूजा कर हम प्रकृति संरक्षा का संदेश देते हैं। उन्होंने प्रबंधन संस्थान के छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वे 'आउट आफ बॉक्स' जाकर सोचें, तथा जीवन शैली व आदतों को बदलने की दिशा में कार्य करें। वन महोत्सव केवल पौधारोपण का अभियान नहीं है बल्कि इसके जरिए दुनिया के लिए चुनौती बन चुके जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से मुकाबला करना है। आम लोगों के बीच 'ग्रीन वैल्यू' स्थापित करना है। छोटी-छोटी शुरुआत और पहल से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

सीआईएमपी में पौधरोपण करते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी।

प्रकृति से संघर्ष करके नहीं चाहिए विकास

औद्योगिक क्रान्ति के बाद यह सोचा गया कि यह दुनिया केवल मनुष्यों के लिए है, जिसका कुपरिणाम आज हम भुगत रहे हैं। हमें विकास पर्यावरण की कीमत पर और प्रकृति से संघर्ष करके नहीं बल्कि सह अस्तित्व और तालमेल बैठा कर चाहिए। उन्होंने संस्थान में पौधे भी लगाए। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक एसएस चौधरी ने कहा कि इसे जन अभियान का रूप दिया जाएगा। ग्रीन कैंपस बनाएंगे। इस कार्यक्रम में बांकीपुर विधायक नितिन नवीन, सीआईएमपी के निदेशक प्रो. वी मुकुंदा दास आदि मौजूद थे।

Dainik Bhaskar ! Page.No-10 ! Dated:15-08-2019

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में वन महोत्सव का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों पर की चर्चा

संस्कृति को बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण बेहद जरूरी : उपमुख्यमंत्री

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते उपमुख्यमंत्री।

पटना | वरीय संवाददाता

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि इस धरती की कोई अन्य सभ्यता प्रकृति को साथ लेकर चलने का दावा नहीं कर सकती क्योंकि प्रकृति अनंत काल से हमारे जीवन एवं संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है। वे बुधवार को चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में वन महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण अवक्षरण के खतरे बढ़ रहे हैं। इन खतरों के प्रति हमें जागरूक होना होगा। जल, जंगल और वायु को प्रदूषित होने से बचाना होगा। हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए। क्योंकि एक पेड़ का पौधा लगाना सौ पुत्रों के बराबर होता है। इसकी रक्षा करने के लिए हमें छोटे-छोटे प्रयास करते रहना चाहिए। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के निदेशक डॉ. वी. मुकुन्दा दास ने कहा कि सक्रिय रूप से कार्बन पदचिह्नों को रोकने, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की चर्चा की और संस्थान को पर्यावरण संरक्षण के अनुरूप बनाये जाने की बात कही। मौके पर बांकीपुर के विधायक नितीन नवीन ने अपनी बातें रखी। प्रकृति के साथ चलकर ही हम अपनी संस्कृति की रक्षा कर सकते हैं। इस सोच के साथ संस्थान के प्रांगण में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने पौधारोपण किया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एसएस चौधरी ने कहा कि राज्य की मुख्य सड़कों पर बड़े पैमाने पर पेड़-पौधे लगाये जा रहे हैं।

कई जगह हरी पट्टी बनायी जा रही है। इसके साथ लोगों को पेड़-पौधे भी बांटे जा रहे हैं, ताकि लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बने। मौके पर मुख्य सड़कों बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में बुधवार को वन महोत्सव कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री को सुनते छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

Hindustan ! Page.NO-28 ! Dated:15-08-2019

पौधे के संरक्षण से ही बचेगा पर्यावरण : मंत्री

फतुहा हाई स्कूल में पौधारोपण करते मंत्री श्रवण कुमार व अन्य • जागरण

संसू, फतुहा : बढ़ रहे वायु प्रदूषण और बदल रहे मौसम के कारण मानव जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। वर्तमान समय में औलाद से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण पौधे और वृक्ष हैं। ये बातें बुधवार को फतुहा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय में मनरेगा द्वारा आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में पौधारोपण के बाद सभा को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहीं।

मंत्री ने कहा कि औलाद सिर्फ माता-पिता की देखभाल करते हैं, लेकिन पौधे देशभर के लोगों का जीवन की रक्षा करते हैं। प्रत्येक आदमी को अपने जीवन में एक पौधे अवश्य लगाना चाहिए। एक पौधा एक वर्ष में 20 किलो धूल सोखता है और 700 किग्रा ऑक्सीजन देता है। यदि आप घर के आसपास 10 दस पेड़ हैं तो तो आपकी उम्र दस वर्ष तक बढ़ सकती है। पिछले वर्ष बिहार में 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमे 42 लाख 27 हजार पौधे लगाए गए थे। इस वर्ष इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार तत्पर पर है। हर पंचायत में सरकार ने एक हजार

फतुहा के उत्क्रमित उच्च विद्यालय में कार्यक्रम का हुआ आयोजन, ग्रामीण विकास मंत्री पौधारोपण कर किया अभियान का आगाज

पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। मंत्री ने बताया कि जो किसान अपने खेत में 400 पौधे लगाएंगे उन्हें पटवन करने के लिए मनरेगा द्वारा 21 हजार 8 सौ रुपये भुगतान किया जाएगा तथा उसकी देखरेख के लिए एक वन रक्षक दिया जाएगा। जिसकी मजदूरी प्रतिदिन के हिसाब से 177 रुपये का भी भुगतान किया जाएगा। मंत्री ने मौके पर मौजूद जनप्रतिधियों से मुख्यमंत्री द्वारा चलाई गई जल जीवन हरियाली को सफल बनाने की अपील की। मौके पर डीडीसी सुहर्ष भगत, प्रखंड प्रमुख रेखा देवी, पूर्व विधान पार्षद बाल्मीकि सिंह, जिला पार्षद सुधीर यादव, सीओ शैलेश कुमार सिंह, मनरेगा पदाधिकारी कुमारी सरला, जदयू के प्रखंड अध्यक्ष रणधीर यादव, सोहबन यादव, पप्पू यादव, मुन्ना यादव, अभय कुमार, ऋषिकेश यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

Dainik Jagran
Page.No-27
Dated:15-08-2019

सरकारी भवनों पर लगेंगे सोलर पॉवर प्लांट : मोदी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

पटना।

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने पेड़ लगा कर पृथ्वी को बचाने का आह्वान किया तथा कहा कि एक पेड़ अपने जीवन में मनुष्य को

चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में 'वन महोत्सव' का समापन समारोह

वन महोत्सव कार्यक्रम में शामिल उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी और विधायक नितिन नवीन।

एक करोड़ से ज्यादा का लाभ देता है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश है जहां पेड़-पौधे, नदी, पहाड़, जीव-जंतु आदि की पूजा करने की परम्परा है। इस क्रम में उन्होंने कहा कि सरकारी भवनों पर बड़े पैमाने पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जायेंगे। 250 मेगावाट का सोलर पॉवर प्लांट लगाने का टेंडर किया जा चुका है।

जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ ही वर्षा जल के संचयन का अभियान भी चलाया जा रहा है। चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में आयोजित 15 दिवसीय 'वन महोत्सव' के समापन समारोह के मौके पर श्री मोदी ने कहा कि मत्स्य पुराण के अनुसार एक पेड़ 10 संतानों के बराबर है। एक पेड़ साल में 100 किग्रा ऑक्सीजन छोड़ता है जबकि एक मनुष्य को 740 किग्रा ऑसीजन की जरूरत होती है। 7-8 पेड़ों से एक व्यक्ति की ऑक्सीजन की जरूरत पूरी होती है।

श्री मोदी ने प्रबंधन संस्थान के छात्र-छात्राओं से कहा कि वे 'आउट आफ बॉक्स' जाकर सोचें तथा जीवन शैली व आदतों को बदलने की दिशा में कार्य करें। वन महोत्सव केवल पौधारोपण का अभियान नहीं है बल्कि इसके जरिए दुनिया के लिए चुनौती बन चुके जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से मुकाबला करना है।

आम लोगों के बीच 'ग्रीन वैल्यू' स्थापित करना है। अपनी आदतों में सुधार कर पानी व बिजली की खपत कम करने की जरूरत है। इसके लिए छात्र थिंक ग्लोब्ली, एक्ट लोकली' की तर्ज पर काम करके छोटी-छोटी शुरुआत और पहल से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

औद्योगिक क्रान्ति के बाद यह सोचा गया कि यह दुनिया केवल मनुष्यों के लिए है, जिसका कुपरिणाम आज हम भुगत रहे हैं। हमें विकास पर्यावरण की कीमत पर और प्रति से संघर्ष करके नहीं बल्कि सह अस्तित्व और तालमेल बैठा कर चाहिए।

Rashtriya Sahara
Page.No-4
Dated:15-08-2019

सरकारी भवनों पर लगेंगे सोलर पावर प्लांट : मोदी

पटना/कार्यालय संवाददाता। चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के द्वारा आयोजित 15 दिवसीय वन महोत्सव के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने पेड़ लगा कर पृथ्वी को बचाने का आह्वान किया तथा कहा कि 250 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट लगाने का टेंडर किया जा चुका है। सरकारी भवनों पर भी बड़े पैमाने पर सोलर पावर प्लांट लगाए जायेंगे। जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ ही वर्षा जल के संचयन का अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने प्रबंधन संस्थान के छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वे आउट आफ बॉक्स जाकर सोचे तथा जीवन शैली व आदतों को बदलने की दिशा में कार्य करें। वन महोत्सव केवल पौधारोपण का अभियान नहीं है बल्कि इसके जरिए दुनिया के लिए चुनौती बन चुके जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से मुकाबला करना है। आम लोगों के बीच ग्रीन वैल्यू स्थापित करना है। अपनी आदतों में सुधार कर पानी व बिजली की खपत कम करने की जरूरत है। इसके लिए छात्र थिंक ग्लोब्ली, एक्ट लोकली की तर्ज पर काम करके छोटी-छोटी शुरूआत और पहल से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। इस मौके सी.आई.एम.पी. निदेशक, डॉ. वी मुकुन्द दास ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा सक्रिय रूप से कार्बन पदचिन्हों को रोकने, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परितर्वन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की चर्चा की।उन्होंने यह उद्घोषित किया कि संस्थान प्रति छात्र एक वृक्ष के वचनबद्ध है। इसके परिणाम स्वरूप न कि सिर्फ कम से कम आधा हिस्सा हरित क्षेत्र है। इस मौके पर विधायक नीतिन नवीन सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

Sanmarg
Page.No-4
Dated:15-08-2019